10923495

HINDI

(Second Language)

Maximum Marks : 80

Time Allowed : Three Hours

1. *Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.*
2. *You will **not** be allowed to write during the first **15** minutes.*
3. *This time is to be spent in reading the question paper.*
4. ***The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.***
5. ***Section - A** is compulsory. All questions in **Section - A** must be answered.*
6. *Attempt **any four** questions from **Section - B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and **any two** other questions from the same books you have studied.*
7. *The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].*

Instruction for the Supervising Examiner

Kindly read aloud the Instructions given above to all the candidates present in the Examination Hall.

This Paper consists of 12 printed pages.

Turn over

© Copyright reserved.

SEAL

SECTION - A (40 Marks)

*Attempt **all** questions from this Section.*

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics : – [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त **हिन्दी** लेख लिखिए :–

(i) 'स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित भोजन, व्यायाम तथा खेलकूद बहुत आवश्यक होता है' इस विषय को आधार बनाते हुए एक लेख लिखिए।

(ii) पुस्तकालय (Library) का हमारे जीवन में बहुत महत्व होता है। आप अपने विद्यालय के पुस्तकालय में जाकर किस प्रकार की पुस्तकों को पढ़ना पसंद करते हैं। अपनी प्रिय पुस्तक का वर्णन करते हुए लेख लिखिए।

(iii) अच्छी संगति हमारे जीवन में अनेक बदलाव ला सकती है। हम अक्सर अपने मित्रों की बातों से प्रभावित होकर उनका अनुकरण (follow) करने लगते हैं। अच्छी संगति के लाभ बताते हुए एक सारपूर्ण लेख लिखिए।

(iv) 'मैंने यह निर्णय लिया कि भविष्य में ऐसी गलती दुबारा नहीं होगी' इस वाक्य से अंत करते हुए अपने जीवन की कोई यादगार घटना या मौलिक कहानी लिखिए।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

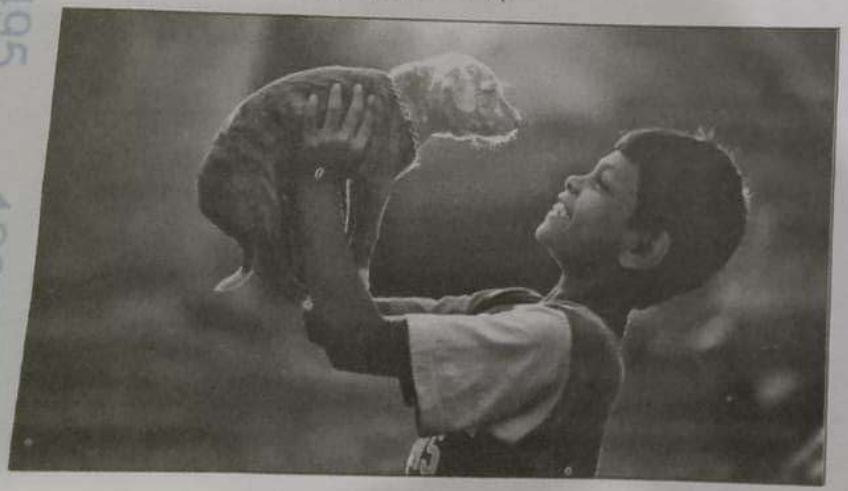

Question 2

Write a letter in **Hindi** of approximately **120** words on any **one** of the topics given below : – [7]

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी** में लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए :–

(i) आपके इलाके में एक सरकारी पार्क है लेकिन उस का उचित रखरखाव नहीं हो रहा है। वहाँ की स्थिति का वर्णन करते हुए तथा उसकी व्यवस्था ठीक करने के लिए नगर पालिका के मुख्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

(ii) आप अपने परिवार के साथ कोई प्रदर्शनी (Exhibition) या मेला (fair) देखने गए। वहाँ किन-किन वस्तुओं ने आपको आकर्षित किया और आपने क्या मनोरंजन किया और क्या खरीददारी की ? इन सभी बातों का वर्णन अपने मित्र को एक पत्र लिखकर कीजिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible : –

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में दीजिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :–

रामू एक किसान था। वह अपने खेतों में दिन-रात कठोर परिश्रम करता। इस बार उसकी मेहनत और ईश्वर की कृपा से उसके खेतों में इतना अनाज उगा कि जिसकी आमदनी से उसकी वर्षों की गरीबी मिट गई।

बारिश के मौसम में उसकी फूस की छत से पानी बहकर घर में टपकता जिससे घर की मिट्टी की दीवारें भी नमी से गल जाती थीं और उसका घर गिर जाया करता था। इस बार हुए धन-लाभ से उसने अपने कच्चे घर की जगह एक नया और पक्का घर बनाने का निश्चय किया।

रामू ने घर बनाने के लिए सारा सामान मँगा लिया था। बस आँगन में खड़े नीम के पेड़ को काटना शेष रह गया था जिसके कारण घर की नींव खोदना मुश्किल हो रहा था। उसने पेड़ काटने के लिए कुल्हाड़ी लाने अपने बेटे को पड़ोस में भेजा और स्वयं थोड़ी देर आराम करने के लिए पेड़ की छाया में लेट गया। थकान के कारण लेटते ही उसकी आँखें लग गई और वह सपनों की दुनिया में पहुँच गया।

उसने देखा - उसके दादाजी एक नन्हा-सा पौधा लगा रहे हैं और उसके पिताजी पास खड़े उनकी सहायता कर रहे हैं। एक छोटा-सा बालक उन दोनों के साथ उत्साह और खुशी से घूम रहा है। यह छोटा बालक रामू ही था और वह भी उन दोनों के साथ उस पेड़ की बहुत देखभाल किया करता था। दिनोंदिन वह पेड़ बड़ा होता गया और उसके तने व टहनियों के आसपास खेलता हुआ रामू भी बड़ा होने लगा।

दादाजी तो गुजर गए थे परंतु उस पेड़ की गोद में उसे दादाजी की गोद में होने का अहसास होता था। उसे लगा मानो वे दोनों उससे पूछ रहे हैं - ''रामू, क्या तुम भूल गए यह पेड़ केवल पेड़ नहीं, हमारे घर का एक सदस्य है, इसने कितनी ही धूप और बरसातों में हमारी रक्षा की है। इसकी डालों पर तुमने कई सावन झूलें झूले हैं। इसकी प्राणवायु से हमारे घर के चारों ओर, दूर तक के दायरें में शुद्धता, शीतलता और स्वस्थता विद्यमान रहती है। रोग हमारे घर के सदस्यों को छू भी नहीं पाता। इसकी दातुन, निबोरियाँ और पत्तियाँ हमारे लिए कितनी उपयोगी हैं! प्रचंड गर्मियों की दोपहर में घर के सारे सदस्य इसके नीचे आकार ही चैन पाते हैं। पथिक इसकी छाया में विश्राम करते और हम सभी को आशीर्वाद देकर जाते। मोर, कोयल, तोते और भी न जाने कितने ही पक्षियों और जीवों के लिए यह पेड़ उनका आश्रय-स्थान है। अकाल के समय अपनी सूखी लकड़ियों को देकर इसने तुम्हारे पिता के बड़े भाई के समान घर चलाने में सहायता की थी। इसने कभी तुमसे कुछ नहीं माँगा। हम सभी इसके कृतज्ञ हैं। आज तुम इसे काटकर सैकड़ों पशु-पक्षियों और जीवों को गृह-हीन क्यों करना चाहते हो। क्या इसकी हत्या करने के, इसे काटने के पाप को करने के बाद तुम अपने नए घर में शांति से जी पाओगे?''

रामू की आँखों से आँसू निकल पड़े तभी उसके बेटे की आवाज़ आई - ''बाबा लो, मैं कुल्हाड़ी ले आया।'' रामू की आँखें मानो खुल गई थीं। अपनी अश्रूपूरित आँखों से वह पेड़ के तने से लिपटकर क्षमा-याचना करने लगा।

अपनी कोमल शाखाओं से नीम ने भी उसे अपने गले लगाकर माफ़ कर दिया। रामू ने नीम के पेड़ से एक हाथ की दूरी पर अपने नए मकान की नींव खोदकर अपना नया घर बनाया। नीम की शीतल छाया उसके घर पर सदैव एक बुजुर्ग के आशीर्वाद के समान बनी रही।

(i) रामू कौन था? यह वर्ष उसके लिए लाभकारी कैसे रहा? [2]

(ii) प्रतिवर्ष वह किस समस्या से परेशान रहता था? उसके हल के लिए उसने क्या निश्चय किया ? [2]

(iii) नीम का पेड़ कहाँ था? रामू उसे क्यों काटना चाहता था? [2]

(iv) रामू के आँखों में आँसू क्यों आ गए थे? समझाइए। [2]

(v) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या सीख मिली? वर्तमान समय में यह सीख कैसे उपयोगी है? [2]

Question 4

Answer the following according to the instructions given below : – [8]

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :–

(i) 'परलोक' शब्द का विलोम चुनकर लिखिए :

(a) परमलोक
(b) स्वर्गलोक
(c) इहलोक
(d) यमलोक

(ii) 'वर्षा' के उचित पर्यायवाची शब्दों को चुनकर लिखिए :

(a) वर्ष - चतुर्मास
(b) वृक्ष - वार्षिक
(c) पावस - बारिश
(d) वार्षिक - बरखा

(iii) 'शिक्षक' शब्द की भाववाचक संज्ञा चुनकर लिखिए :

(a) शिक्षिका
(b) शिक्षा
(c) शिक्षाप्रद
(d) शिक्षाविद्

(iv) 'नीति' शब्द का विशेषण चुनकर लिखिए :

(a) नैतिकता
(b) नैतिक
(c) नितिक
(d) नवनीत

(v) 'श्रेषठ' शब्द का शुद्ध रूप चुनकर लिखिए :

(a) श्रेष्ट
(b) श्रेष्ठ
(c) श्रैष्ट
(d) श्रेषट

(vi) 'आँखें फेर लेना' मुहावरे का सही अर्थ चुनकर लिखिए :

(a) लज्जित होना
(b) आँखें झुकाना
(c) क्रोधित होना
(d) उपेक्षा करना

(vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बनाइए :

सभी कलाकारों के प्रधान बहुत सुन्दर थे।

(रेखांकित शब्द के स्थान पर उचित शब्द का प्रयोग कीजिए)

(a) परिधान
(b) पहचान
(c) पराधीन
(d) प्रियधन

(viii) परिवर्तन प्रकृति का वह नियम है जिसे टाला नहीं जा सकता।
(रेखांकित वाक्यांश हेतु एक शब्द का प्रयोग कीजिए)

(a) परिवर्तन प्रकृति का अनिवार्य नियम है।
(b) परिवर्तन प्रकृति का अचल नियम है।
(c) परिवर्तन प्रकृति का अटल नियम है।
(d) परिवर्तन प्रकृति का अटूट नियम है।

SECTION - B (40 Marks)

Questions from only two textbooks are to be answered.
*Attempt **four** questions from this section.*
*You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions from the same books that you have chosen.*

साहित्य सागर - संक्षिप्त कहानियाँ
SAHITYA SAGAR - SHORT STORIES

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :–
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :–

सेठ बड़े आश्चर्य में पड़े – महायज्ञ! और आज। वे समझे कि उनका मजाक उड़ाया जा रहा है। विनम्र भाव से बोले, ''आप आज की कहती हैं, मैंने तो बरसों से कोई यज्ञ नहीं किया है। मेरी स्थिति ही ऐसी नहीं थी।''

महायज्ञ का पुरस्कार - यशपाल
Mahayagya Ka Puruskar - Yashpal

(i) सेठ जी कहाँ गए थे? उन दिनों कौन सी प्रथा प्रचलित थी? [2]

(ii) किसके कथन को सुनकर सेठ को ऐसा लगा कि उनका मजाक उड़ाया जा रहा है और क्यों? [2]

(iii) सेठानी ने सेठजी के किस कार्य को महायज्ञ कहा था तथा सेठ ने अपने कार्य को महायज्ञ क्यों नहीं माना? इस कार्य से सेठ जी के स्वभाव की कौन सी विशेषता स्पष्ट होती है? [3]

(iv) 'महायज्ञ का पुरस्कार' कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है? इस कहानी का कौन सा पात्र आपको अपने किन गुणों के कारण सबसे अच्छा लगा? [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :–
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :–

रामनिहाल फिर रुक गया। श्यामा ने फिर तीखी दृष्टि से उसकी ओर देखा। रामनिहाल कहने लगा, ''तुमको भी संदेह हो रहा है। सो ठीक ही है। मुझे भी कुछ संदेह हो रहा है, मनोरमा क्यों मुझे इस समय बुला रही है।''

संदेह - श्री जयशंकर प्रसाद
Sandeh - Shri Jaishankar Prashad

(i) रामनिहाल और श्यामा का संबंध स्पष्ट करते हुए बताइए कि रामनिहाल ये बातें श्यामा से क्यों बता रहा है? [2]

(ii) 'तुमको भी संदेह हो रहा है' – यह कथन वक्ता के किस संदेह को प्रकट करता है? संदेह की यह स्थिति कब से उत्पन्न हुई? समझाइए। [2]

(iii) मनोरमा का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताइए कि वह किस संकट से ग्रस्त थी? वह रामनिहाल से किस प्रकार की सहायता चाहती थी? [3]

(iv) प्रस्तुत कहानी के अन्त में 'श्यामा' ने रामनिहाल को क्या सलाह दी थी? 'संदेह' कहानी से आपको क्या शिक्षा मिली? समझाकर लिखिए। [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :–
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :–

सियार ने भेड़िए का हाथ चूम कर कहा, ''बड़े भोले हैं आप सरकार! अरे मालिक, रूप-रंग बदल देने से तो सुना है आदमी तक बदल जाते हैं। फिर यह तो सियार है''।
और तब, बूढ़े सियार ने भेड़िए का भी रूप बदला। मस्तक पर तिलक लगाया, गले में कंठी पहनाई और मुँह में घास के तिनके खोंस दिए। बोला, ''अब आप पूरे संत हो गए।''

भेड़े और भेड़िए - हरिशंकर परसाई
Bhede Aur Bhediyen - Harishankar Parsai

(i) इस कहानी में भेड़िया किस का प्रतीक है? बूढ़े सियार ने भेड़िए का रूप क्यों बदला? [2]

(ii) सियार ने भेड़िए के मुँह में घास के तिनके क्यों खोंसे? ऐसा करके वह क्या सिद्ध करना चाहता था? [2]

(iii) सियार ने भेड़िए को किन तीन बातों का ख्याल रखने को कहा ? स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) वन प्रदेश के चुनाव में भेड़ों ने अपना 'नेता' किसे चुना? उन्होंने 'भेड़ों' के हित में पहला कौन सा कानून बनाया? क्या यह कानून भेड़ों के लिए हितकारी था? समझाइए। [3]

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :–
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :–

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी
ऊँचा खड़ा हिमालय, आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले पड़, नित सिंधु झूमता है।
गंगा, यमुना, त्रिवेणी, नदियाँ लहर रही हैं।
जगमग छटा निराली, पग-पग पर छहर रही हैं।
वह पुण्यभूमि मेरी, वह स्वर्ण भूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।

वह जन्मभूमि मेरी - सोहन लाल द्विवेदी
Wah Janmbhumi Meri – Sohan Lal Dwivedi

(i) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने हिमालय की किन विशेषताओं का वर्णन किया है ?
(ii) 'सिन्धु' शब्द का क्या अर्थ है ? इसके सन्दर्भ में कवि ने क्या कहा है ? [2]
(iii) 'त्रिवेणी' में किन-किन नदियों की धाराओं का संगम है ? यह कहाँ स्थित है तथा इसके महत्व को लिखिए। [2]
(iv) कवि ने भारत को 'पुण्यभूमि' और 'स्वर्णभूमि' क्यों कहा है ? जन्मभूमि को कवि ने कौन-कौन से नए विशेष नामों से पुकारा है ? कुछ नामों का वर्णन कीजिए ? [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :–
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :–

"राजा के दरबार में जैये समया पाय।
साईं तहाँ न बैठिए, जहँ कोउ देय उठाय
जहँ कोउ देय उठाय बोल अनबोले रहिए
हँसिये नहीं हहाय, बात पूछे ते कहिए ।।
कह गिरिधर कविराय समय सों कीजै काजा
अति आतुर नहिं होय, बहुरि अनखैहैं राजा

गिरिधर की कुण्डलियाँ - गिरिधर कविराय
Giridhar ki "Kundaliya" - Giridhar Kavirai

(i) राजा के दरबार में जाने से पहले किस बात का ध्यान रखना चाहिए और क्यों ? [2]
(ii) राजदरबार में बैठने और बोलने से पहले किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए ? [2]
(iii) 'अनखैहैं' शब्द का क्या अर्थ है ? राजा कब और क्यों अनखैहैं हो जाते हैं ? [3]
(iv) कवि गिरिधर की कुण्डलियाँ हमें क्या सीख देती हैं ? हमें कहाँ हँसना नहीं चाहिए ? राजा के दरबार में कैसा आचरण करना चाहिए ? [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :–
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :–

जसोदा हरि पालने झुलावै।
हलरावै दुलरावै मल्हावै जोई सोई कछु गावै।।
मेरे लाल को आउ निंदरिया काहे न आनि सुवावै।
तू काहे नहिं बेगहिं आवै, तोको कान्ह बुलावै।।
कबहुँ पलक हरि मूँद लेत हैं, कबहुँ अधर फरकावै।
सोवत जानि मौन ह्वै कै रहि, करि करि सैन बतावै।।
इहि अंतर अकुलाइ उठे हरि, जसुमति मधुरि गावै।
जो सुख सूर अमर मुनि दुरलभ, सो नँद भामिनी पावै।।

सूर के पद - सूरदास
Sur ke Pad - Surdas

(i) श्रीकृष्ण को सुलाते हुए माता यशोदा क्या-क्या कर रही हैं ? [2]
(ii) यशोदा माता नींद की देवी से क्या-क्या कहती हैं और क्यों ? [2]
(iii) कृष्ण के सो जाने का अनुमान लगाकर यशोदा माता क्या करती हैं ? यहाँ 'सैन' शब्द का क्या अर्थ है ? [3]
(iv) सूरदास के इष्टप्रभु का नाम बताइए ? उनकी रचनाएँ किस भाषा में लिखी हैं ? उनकी कोई दो पुस्तकों के नाम बताइए ? [3]

एकांकी संचय
EKANKI SANCHAY

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :–
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :–

यों तो इस झंझट से छुटकारा पाने का सरल उपाय यही है कि तुम्हें बाग वाला मकान दे दिया जाए - वह पड़ा भी बेकार है और अभी मैं उससे किसी तरह का भी काम लेने का इरादा नहीं रखता, पर तुम तो जानते हो बेटा, मेरे जीते जी यह असंभव है।

सूखी डाली - उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
Sukhi dali - Upendra Nath 'Ashka'

(i) प्रस्तुत कथन के वक्ता और श्रोता कौन है ? [2]
(ii) श्रोता को बागवाला मकान क्यों चाहिए और इसके लिए उसने क्या तर्क दिया ? [2]
(iii) वक्ता ने इस समस्या के हल के लिए क्या किया ? क्या वे समस्या के समाधान में सफल हुए ? [3]
(iv) 'परिवार का एक सिरा किसी समझदार व्यक्ति के हाथ में होने से परिवार में एकता बनी रहती है।' क्या आप इस कथन से सहमत है ? एकांकी के सन्दर्भ में तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। [3]

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :–

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :–

''आत्म रक्षा का कोई और उपाय न देखकर महाबली दुर्योधन द्वैत वन के सरोवर में घुस गए और उसके जल-स्तंभ में छिपकर बैठे रहे। पर न जाने कैसे पांडवों को इसकी सूचना मिल गई और वे तत्काल रथ पर चढ़कर वहाँ पहुँच गए।''

महाभारत की एक साँझ-भारत भूषण अग्रवाल

Mahabharat ki Ek saanjh - Bharat Bhushan Agrawal

(i) प्रस्तुत कथन के वक्ता एवं श्रोता का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(ii) दुर्योधन स्वयं को दोषी क्यों नहीं मान रहा था तथा युधिष्ठिर को क्या कह रहा था? [2]

(iii) पांडवों को सूचना किसके द्वारा प्राप्त हुई? पांडवों ने दुर्योधन को युद्ध के लिए कैसे ललकारा और क्या शर्त रखी? [3]

(iv) 'महाभारत की एक साँझ' शीर्षक के औचित्य पर प्रकाश डालिए। [3]

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :–

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :–

''मैं जानता था, तुम वहाँ नहीं जा सकोगी और जाने से भी क्या होता है। जब तुम उस नीची श्रेणी की विजातीय भाभी को घर नहीं ला सकती, तब तक प्रेम और ममता की दुहाई व्यर्थ है। तुम सब निर्मम हो निर्मम. . . ।''

संस्कार और भावना - विष्णु प्रभाकर

Sanskar aur bhawana - Vishnu Prabhakar

(i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है? 'तुम वहाँ नहीं जा सकोगी' ऐसा वक्ता ने श्रोता से क्यों कहा? [2]

(ii) 'विजातीय' शब्द किसकी ओर संकेत करता है? उसका परिचय दीजिए। [2]

(iii) 'प्रेम और ममता की दुहाई व्यर्थ है' - यह पंक्ति किस संदर्भ में कही गई है? श्रोता किन संस्कारों के बंधन में जकड़ी हुई थी? [3]

(iv) 'संस्कार एवं भावना' एकांकी से हमें क्या शिक्षा प्राप्त होती है? आज के समाज के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए अपने विचार लिखिए। [3]

नया रास्ता - सुषमा अग्रवाल

NAYA RAASTA - SUSHMA AGARWAL

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :–

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :–

कोठी का दरवाज़ा खोलते ही जैसे ही उन सबने अंदर प्रवेश किया उन्हें लगा मानो स्वर्ग में आ गये हों। कोठी के बाहर लॉन में मखमल के समान घास बिछी थी। लॉन में बेंत की सुंदर रंग-बिरंगी कुर्सियाँ पड़ी थीं। रंग-बिरंगे फूलों के गमले कोठी की शोभा में चार चाँद लगा रहे थे।

(i) 'उन सबने' का प्रयोग किनके लिए किया गया है? वे कहाँ आए हैं? [2]

(ii) अमित के माता-पिता इस रिश्ते से प्रसन्न क्यों थे? कारण बताइए। [2]

(iii) लड़की पसंद न होने पर भी अमित विवाह के लिए मना क्यों नहीं कर पा रहा था? वास्तव में अमित के हृदय में किसने स्थान बना लिया था? [3]

(iv) अमित और सरिता को अकेले में मिलने का अवसर दिये जाने पर दोनों के बीच क्या बातचीत हुई? क्या अमित उस मुलाक़ात से संतुष्ट था? [3]

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :–

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :–

मीनू ने अमित के कमरे में प्रवेश किया तो देखा कि अमित अपने पलंग पर लेटा हुआ अपनी माँ से बातें कर रहा था। मीनू को देखकर उन्होंने प्रेम पूर्वक बैठाया। उसे देख कर अमित के मुरझाए चेहरे पर भी ख़ुशी की लहर दौड़ गई।

(i) मीनू अमित से मिलने कहाँ गई थी? जाते समय उसके मन में क्या विचार उठ रहे थे? [2]

(ii) कमरे में प्रवेश करते ही मीनू ने क्या देखा? अमित के साथ क्या दुर्घटना घटी थी? [2]

(iii) अपनी माँ और मीनू के बीच हुई किस बात को सुनकर अमित प्रसन्न हुआ? दूसरे ही क्षण उसकी उदासी का क्या कारण था? [3]

(iv) 'नया रास्ता' उपन्यास द्वारा लेखिका ने पाठकों को क्या संदेश दिया है? [3]

Question 16

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :–

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :–

मीनू सीधे अपनी माँ के कमरे में चली गई। माँ उसका इंतजार करके अभी–अभी बिस्तर पर लेटी थी। मीनू भी माँ के पास पड़े पलंग पर जाकर लेट गई। मीनू और माँ बहुत देर तक पड़े–पड़े बातें करती रहीं। ना जाने मीनू को कब नींद आ गई। फिर सुबह 6:00 बजे ही उसकी आँख खुली।

(i) मीनू कहाँ से आई थी ? उसे छोड़ने कौन आया था ? [2]

(ii) मीनू के लेट होने का क्या कारण था ? उसके मन की स्थिति का वर्णन कीजिए। [2]

(iii) सुबह उठते ही माँ के हाथ की चाय मिलते ही मीनू को कैसी अनुभूति हुई और क्यों ? [3]

(iv) नीलिमा के घर जाते समय मीनू ने किस रंग का सूट पहना ? सूट पहने देखकर माँ ने क्या कहा ? उनकी बात का मीनू ने क्या जवाब दिया ? [3]

SEAL

10923495